श्री लालू प्रसाद: आप तो अभी आए हैं।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: हम पैदा अभी हुए हैं तो आपसे पहले कैसे आते। सभापति जी, इन्होंने जो प्रश्न पूछा है, इनके इस प्रश्न का कोई संबंध इस प्रश्न से नहीं है, लेकिन इन्होंने जो पूछा है, मैं जवाब नहीं दूंगा तो इन्हें अच्छा नहीं लगेगा। इन्होंने काफी आरोप मुझ पर लगा दिए हैं। दिक्कत यह है कि हवा में घोषणा इन्होंने करवाई थी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की माननीय देवगौड़ा जी से। सिर्फ घोषणा करने से अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नहीं बनता है। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का मतलब रनवे 10,500 फीट का चाहिए।...(व्यवधान)...

श्री लालू प्रसाद: आप राष्ट्रीय कर दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, आपका संरक्षण चाहिए। ...(व्यवधान)...

सभापति जी, उसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की घोषणा देवगौडा जी ने की थी। चूंकि वह हवाई अड्डा छोटा था, घोषणा तो हुई, लेकिन इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम नहीं हुआ। वहां का जो रनवे है वह 9500 फीट की जगह 7500 फीट ही यूज हुआ। यहां बहुत सम्मानित सदस्य बैठे हैं और सभी लोग जहाज से चलते हैं। हम वहां पर लैंड करते हैं तो हमारे सामने पैसेंजर की जिंदगी का सवाल रहता है और आदरणीय लालू ली भी हवाई जहाज से सफर करते हैं, इसलिए मुझे उस जहाज की ज्यादा चिंता रहती है। सभापति जी, हमने टी॰वी॰ पर यही कहा था कि वहां रनवे बढ़ाने की जरूरत है। लालू जी को हम निवेदन करते हैं कि उन्होंने जो जमीन दे दी है, थोड़ी सी ज्यादा दे दी है और थोड़ी सी नहीं दी है, एक क्वार्टर और देनी है, जो जमीन मुझे और चाहिए। यहां तक इन्होंने एक आरोप और लगाया कि फ्लाइट शुरू की थी और बंद कर दी है। ऐसा नहीं है, वह फ्लाइट शामिल है और गया को हम बुद्धिस्ट हट बनाने वाले हैं।

Contingency plan of IOC for locating strategic oil reserves

*106. SHRI NANA DESHMUKH:†
SHRI K. RAMA MOHANA RAO:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government are working on any contingency plan to deal with any eventuality including blockage of crude supplies from the Gulf;

(b) whether Government are thinking of locating strategic reserves of crude oil in some important locations of the country to maintain undisrupted supply of petroleum products;

(c) if so, the details thereof;

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Nana Deshmukh.

(d) whether it is a fact that the Indian Oil Corporation has submitted a proposal on the need for having a strategic oil reserves to Government; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) Government have a contingency plan to deal with any eventuality of disruptions in oil supplies from the Arab Gulf. A number of countries outside the Arab Gulf have been identified for importing crude oil to meet any emergency.

Government are considering to provide strategic storage of crude oil to meet the emergency requirement arising out of disruptions in the crude oil supplies from abroad. The details of the plan for strategic reserves have not been finalized.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise in view of (d) above.

श्री नाना देशमुख: सभापति जी, माननीय मंत्री जी से मेरा प्रश्न यह है कि पेट्रोल और डीजल हिन्दुस्तान की एक समस्या बनी हुई है, यदि किसी कारण खाड़ी देशों में संकट पैदा हुआ तो क्या हम डीजल और पेट्रोल की अपने देश के अंदर किसी भी प्रकार से कमी न हो, इसका कोई इंतजाम कर रहे हैं? क्या उसके स्टोर की कुछ व्यवस्था हम लोग कर रहे हैं क्योंकि खाड़ी में कब क्या होगा, यह निश्चित रूप से कहा नहीं जा सकता किन्तु अपने देश के अंदर पेट्रोल और डीजल सब दृष्टि से नितांत आवश्यक है। उसकी डिमांड निरंतर बढ़ रही है किन्तु उसकी व्यवस्था की जानकारी कम से कम अभी तक किसी भी रूप में हम लोगों को प्राप्त नहीं है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस कठिनाई के काल में हम डीजल और पेट्रोल का इंतजाम कैसे करेंगे?

श्री राम नाईक: सभापति जी, पेट्रोल और डीजल की चिंता तो सबको होती है क्योंकि सारे देश की गति उसी पर निर्भर है और इसीलिए हम अपने देश में इसका उत्पादन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि गए तीन वर्षों में ऐसा एक भी अवसर

नहीं आया कि पेट्रोल या डीजल कहीं मिला नहीं हो क्योंकि निरंतर सप्लाई होते रहने की सारी व्यवस्था हम करते रहे हैं। अब अगर खाड़ी में कुछ हो जाए और उसके कारण कच्चा तेल, क्रूड आयल यहां नहीं आता है तो उसकी पर्यायी व्यवस्था जो करनी चाहिए, वह पर्यायी व्यवस्था हमने की है और ऐसा कोई भी अवसर नहीं आएगा कि हमें कच्चे तेल की कमी पड़ेगी।

दूसरे, इस देश में स्टोरेज की व्यवस्था के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि स्टोरेज की व्यवस्था भी हम बढ़ा रहे हैं। कुछ विकसित देशों में, जैसे इंग्लैंड, अमेरिका, कनाडा, जापान आदि में एक नियम के आधार पर, एक कानून के तहत 90 दिन का स्टोरेज रखा जाता है, हमारे यहां 60 दिन की व्यवस्था होती है, धीरे-धीरे हम भी अधिक स्टोरेज करने की व्यवस्था करने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री नाना देशमुख: सभापति महोदय, मैं अपने दूसरे पूरक प्रश्न के रूप में पूछना चाहता हूं कि हम व्यवस्था कर रहे हैं, यह कहना तो ठीक है, किन्तु क्या व्यवस्था हो रही है, कितनी व्यवस्था हुई है, कहां-कहां हुई है, क्या इसकी जानकारी सदन को मिल सकती है?

श्री राम नाईक: सभापति महोदय, कांटिजेंसी प्लान, हम कहां से ला सकते हैं, मुझे लगता है कि यह कहना सार्वजनिक तौर पर उचित नहीं होगा क्योंकि यदि कोई कठिनाई आई तो हम कहां से लाएंगे, यदि इसकी हम अभी घोषणा करेंगे तो वहां भी कुछ कठिनाई आ सकती है और इस भूमिका में इसकी अधिक जानकारी देना उपयुक्त नहीं होगा, ऐसा मैं कहना चाहता हूं।

SHRI K. RAMA MOHANA RAO: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether the OPEC has agreed to review the premium being charged on crude oil supplies to India, because we are paying US$ 1.5 to 2 per barrel higher than what is being paid by the European countries, despite our proximity to the West Asian countries.

SHRI RAM NAIK: Sir, we are trying our best to prevail upon all the OPEC countries to remove the discrimination that we are facing. USA and Canada which are far away, are getting crude oil cheaper than we are, because they are on the Western side. So, we are trying to persuade the OPEC, and that campaign with the other countries is also being carried on. The countries which lie to the East of the Middle East, like India, should get crude oil at one or two dollars less than what the USA and others are getting. We are making efforts in this regard. We have been assured that this will be taken into consideration. But, so far, nothing concrete has come from the OPEC countries.

श्री राजीव शुक्ल: मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं, जैसा कि श्री नाना जी ने संदेह व्यक्त किया कि अगर खाड़ी में कुछ होता है, जो इराक पर होगा, तो क्या मंत्री जी बताने का कष्ट करेंगे कि इराक से हम कुछ तेल आयात कर रहे हैं, अगर कर रहे हैं तो कितना आयात कर रहे हैं, इनकी कुछ यात्रा भी इराक की हुई थी और क्या वहां से आगे कुछ तेल आयात करने का इरादा है?

श्री राम नाईक: सभापति महोदय, इराक से तेल या और अन्य व्यापार की दृष्टि से मैं गए साल वहां गया था और वहां उनके राष्ट्रपति के साथ मेरी चर्चा, कुछ मुलाकातें हुई थीं। इराक पर यू॰एन॰ओ॰ के कुछ सैंक्शंस हैं और उन सैंक्शंस के तहत फूड फार आयल का जो एक एग्रीमेंट बना है, उसके ज़रिए हमें जरूर तेल लाने की कोशिश करते हैं, कभी थोड़ा मिलता है। लेकिन जब तक ये सैंक्शंस हैं, तब तक ज्यादा तेल वहां से आने की संभावना नहीं है लेकिन हम जरूर कुछ करना चाहते हैं और वहां जाकर हम तेल की खोज और अन्वेषण करें, इसके लिए हमने एक ब्लॉक भी लिया है। जैसे ही ये सैंक्शंस समाप्त होंगी, हम इस दिशा में अधिक काम कर पाएंगे।

श्री दत्ता मेघे: सभापति महोदय, मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा हैं कि भंडारण के लिए योजना का ब्यौरा बना है लेकिन उसे अंतिम स्वरूप नहीं दिया गया है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि कब तक आप इसे अंतिम स्वरूप देंगे? आपने ब्यौरा तो बना लिया है लेकिन एक साल में या छह महीने में, कब तक आप इसे अंतिम स्वरूप देंगे?

श्री राम नाईक: सभापति महोदय, जैसा मैंने पहले कहा है इस प्रकार का काम करने के लिए रक्षा मंत्रालय है, शिपिंग मिनिस्ट्री है, रेलवेज़ है और दुनिया के बाकी देशों में वे किस प्रकार से यह काम कर रहे हैं, इसका हम अध्ययन कर रहे हैं और जैसे ही वह अध्ययन पूरा होगा, हम इसके बारे में योजना बनाएंगे और आपको बता देंगे।

*107. [*The Questioner (Shri Harendra Singh Malik) was absent. For answer vide page* 24.]

*108. [*The Questioner (Shri Munavvar Hasan) was absent. For answer vide page* 25.]

Tourist package from Vijayawada to Shirdi

*109. SHRI RUMANDLA RAMACHANDRAIAH: Will the Minister of TOURISM AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government propose to assist the State Government of Andhra Pradesh to develop new tour packages from Vijayawada to Shirdi to attract more tourists; and